बिरलानू लीकप्रूफ पाइप्स सुकून की अनंत गारंटी

आगरा। बिरलानू में हम दो भरोसेमंद ब्रांड्स झ बिरलानू लीकप्रूफ पाइप्स और टॉपलाइन झ के जरिए पानी से जुड़ी आधुनिक और टिकाऊ सुविधाएं देते हैं। हमारे पास 20 से ज्यादा तरह के प्रोडक्ट्स हैं, जैसे कि: सीपीवीसी, यूपीवीसी, एसडब्ल्यूआर, बारिश का पानी निकालने वाले पाइप, बिना आवाज वाले पाइप, जमीन के नीचे की ड्रेनेज सिस्टम, फोमकोर, रीसायकल पाइप्स, प्रेशर पाइप्स, कॉलम, केसिंग,पीपीआर, एचडीपीई, एमडीपीई, गैस पाइप्स, पीवीसी-ओ पाइप्स, इलेक्ट्रोफ्यूजन फिटिंग्स, एफएचटीसी फिटिंग्स, पानी की टंकियां और कई जरूरी एक्सेसरीज, जैसे सॉल्वेंट सीमेंट्स।

बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

● वर्ष: 23 ● अंक: 163 ● नई दिल्ली ● शुक्रवार 27 जून 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पकड़ी रफ्तार, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पूरे देश में रफ्तार पकड़ ली है। इसके असर से देश के उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिमी हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाओं और गरज-चमक का दौर शुरू हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से विभिन्न राज्यों के लिए अलर्ट जारी किए गए हैं। लगातार सक्रिय हो रहे मानसून ने मौसम में ठंडक तो लाई है, लेकिन बिजली गिरने और तेज हवाओं से सतर्क रहने की आवश्यकता भी जताई जा रही है।

हरियाणा में मानसून के प्रवेश के बाद से ही मौसम पूरी तरह बदल गया है। प्रदेश के अंबाला, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत और यमुनानगर में अधिक से मध्यम बारिश जारी है। तेज हवाएं 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं। वहीं, पंचकूला, अंबाला, करनाल और यमुनानगर में तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। सोनीपत, पानीपत, कैथल, कुरुक्षेत्र, जींद, रोहतक, भिवानी, हिसार, फतेहाबाद और सिरसा जैसे जिलों में मध्यम बारिश के आसार हैं। हिसार और पानीपत में सुबह से बूंदाबांदी का दौर शुरू है, वहीं पूरे प्रदेश में बादल छाए रहने से मौसम सुहाना हो गया है।

राजस्थान के बीकानेर, चूरू, गंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में भी तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी है। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बिजनौर और मुरादाबाद जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर समेत 40 से अधिक जिलों में अगले 18 से 24 घंटे में बारिश और बिजली गिरने की आशंका है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित रायगढ़, दुर्ग, राजनांदगांव, गरियाबंद, धमतरी, कांकेर और कई जिलों में तेज बारिश जारी है। मौसम विभाग ने अगले 3 घंटों के लिए 15 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जहां गरज-चमक के साथ भारी बारिश और 60 किमी/घंटा तक की तेज हवाएं चल सकती हैं।

छात्रों की मदद के लिए एसैप प्रतिबद्ध : ईशना

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आने वाले छात्रों की मदद के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे स्वयंसेवी 24 घंटे छात्रों के साथ खड़े हैं। एसैप की सदस्य ईशना गुप्ता ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर कहा ह्लआपह्व के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एसैप को लॉन्च कर देश के छात्रों को एक नया विजन दिया है। एसैप के कर्मठ सदस्य 24 घंटे छात्रों के साथ खड़े हैं। छात्रों का एक-एक दिन कीमती होता है। इसी के मद्देनजर एसैप ने अब तक कई सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया है। जब भी छात्रों को कोई मुश्किल आई तो एसैप की इकाइयों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ आवाज उठाई और जीत हासिल की। यदि छात्रों के साथ अन्याय का कोई मुद्दा एसैप के सामने आया, तो हमने उसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। सुश्री गुप्ता ने बताया कि हाल ही में चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में जो घटना हुई, उस मुश्किल घड़ी में एसैप ने छात्रों का साथ दिया और आर्थिक मदद भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि एसैप ने एक नई पहल की शुरूआत की है जिसके तहत दिल्ली विश्वविद्यालय में कला संकाय के बाहर एक प्रवेश हेल्प डेस्क तैयार किया है,जो छात्रों को यूजी और पीजी के दाखिले में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि जब एक छात्र 12वीं पास करता है, तो उसके बड़े सपने होते हैं।

वह चाहता है कि अच्छे विश्वविद्यालय और कॉलेज में जाए लेकिन कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं और सही जानकारी के अभाव में पीछे रह जाते हैं। ऐसे छात्रों की मदद के लिए एसैप प्रतिबद्ध है और सभी छात्रों के लिए एक सपोर्ट सिस्टम बनाना चाहती है। कई छात्र हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंच सकते, क्योंकि वे दूर दराज के इलाकों से यात्रा नहीं कर सकते। ऐसे छात्रों के लिए संगठन ने अपने विभिन्न सोशल मीडिया पेज के जरिए जोन-वाइज हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। एसैप सदस्य दीपक बंसल ने कहा कि एसैप 24 घंटे दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों की समस्याओं को उठाने के लिए काम कर रही है। संगठन के स्वयंसेवी सक्रिय हैं। देश की राजनीति में भाजपा और कांग्रेस एक सिक्के के दो पहलू बन चुके हैं, उसी तरह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और एनएसयूआई भी एक सिक्के के दो पहलू बन चुके हैं। दीपक बंसल ने कहा कि डीयू के छात्रों ने एबीवीपी और एनएसयूआई को दो-दो सीटों पर बहुमत दिया, ताकि वे उनकी मूलभूत सुविधाओं के लिए आवाज उठा सकें लेकिन ये प्रतिनिधि न तो उनकी आवाज बन पाए, न ही उनकी समस्याएं उठा पाए।

दिल्ली एयरपोर्ट पर विदेशी नागरिकों को ठगने वाले एक ईरानी 'बंटी-बबली' गिरोह का

नई दिल्ली, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विदेश नागरिकों को ठगने वाले ईरानी बंटी-बबली गिरोह का दिल्ली पुलिस ने पदार्फाश किया है।

ईरानी दंपती विदेशी नागरिकों को झांसे में लेकर उनसे रकम ऐंठ लेता था और एयरपोर्ट की भीड़ में बड़ी आसानी से फरार हो जाता था। दिल्ली पुलिस ने इस अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी गिरोह का पदार्फाश करते हुए ईरान की 52 वर्षीय फातमा अकबरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान ईरानी महिला तो पकड़ में आ गई, लेकिन उसका पति मौके से भागने में कामयाब हो गया, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इस ईरानी दंपती ने अमेरिकी नागरिक से 700 डॉलर ठगे थे, जो भारतीय मुद्रा में करीब 58, 000 रुपये हैं। पुलिस के मुताबिक, यह महिला पति के साथ मिलकर विदेशी यात्रियों को निशाना बनाती थी। पुलिस ने बताया कि ईरानी दंपती विदेशी नागरिकों को ठगने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते थे। उन्हें झांसे में लेने के बाद रुपये लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस ईरानी महिला से पूछताछ कर रही है और इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है, जिससे फरार पति का पता लग सके। इसके साथ ही पुलिस अब इनके पिछले अपराधों का भी पता लगा रही है, इसके साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि गिरोह और कितने लोग शामिल हैं।

समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने में स्वामी सहजानंद सरस्वती की भूमिका अभूतपूर्वः शहनवाज

नई दिल्ली, । साउथ एवेन्यू में युवा चेतना के तत्वावधान में विश्व के महान किसान-मजदूर नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर समारोह का आयोजन किया गया। पुण्यतिथि पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन, युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए स्वामी सहजानंद सरस्वती ने अभूतपूर्व भूमिका का निर्वहन किया।

कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती ने वंचित वर्ग के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय अभियान चलाया। कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि ऐसे कई नेता हैं जिन्होंने कई हवाई अड्डा पर अपने नाम का कब्जा कर लिया है तो फिर गरीबों के नेता स्वामी सहजानंद के नाम पर हवाई अड्डा और कोई महत्त्वपूर्ण संस्थान क्यों नहीं? पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता करते हुए युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती सामाजिक न्याय के आधार स्तंभ थे।

मुख्यमंत्री ने कांवड़ सेवा समितियों के साथ की

नई दिल्ली, (हि.स.)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में कांवड़ महोत्सव में शिव भक्तों के लिए पंडाल, भंडारा इत्यादि का प्रबंध करने वाली कांवड़ सेवा समितियों के साथ संवाद बैठक की। इस बार दिल्ली सरकार के ई- डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर गूगल फॉर्म के जरिये कांवड़ समितियों का पंजीकरण किया जा सकेगा। बैठक में कांवड़ सेवा आयोजन के लिए बनी समिति के अध्यक्ष व दिल्ली सरकार के संस्कृति व पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, सदस्य व विधायक अनिल शर्मा, संजय गोयल, अजय महावर, प्रद्युमन राजपूत, अभय वर्मा आदि मौजूद रहे।

इससे पहले कांवड़ सेवा समितियों ने यहां मुख्यमंत्री का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने कांवड़ सेवा में समर्पित सभी शिव भक्तों और समितियों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली हर वर्ष कांवड़ यात्रियों की सेवा में समर्पित रहती है और इस बार दिल्ली सरकार पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ इसे भव्य बनाने के लिए जुट गई है। उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार का पहला कांवड़ आयोजन है और सरकार का संकल्प है कि यह अब तक का सबसे यादगार, सुविधाजनक और व्यवस्थित अनुभव हो।मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने सफाई, शौचालय, सुरक्षा, बिजली, लाइटिंग, मेडिकल सुविधाएं की प्रक्रिया को पहले से बेहतर बनाया है। अब केवल 72 घंटों में अनुमति देने की व्यवस्था की गई है। साथ ही सभी कैम्पों के लिए 1200 यूनिट तक फ्री बिजली की सुविधा देने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त कांवड़ महोत्सव के समापन के बाद सभी लंबित भुगतान तीन माह के भीतर करने की बात भी कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सभी बार्डरों पर खुद सरकार के मंत्री, विधायक आदि शिव भक्तों का स्वागत पुष्पवर्षा से करेंगे। हर एंट्री पॉइंट पर सुरक्षित कॉरिडोर, सफाई, प्रकाश व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही छोटी से छोटी संस्था को भी बराबरी का सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार शिव भक्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

एविएशन रिफंड धोखाधड़ी गिरोह का पदार्फाश, कंपनी डायरेक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। राजधानी में एविएशन रिफंड धोखाधड़ी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक आपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने इसका पदार्पाश किया है। वैध ट्रैवल एजेंसी की आड़ में संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और कनाडा के नागरिकों से धोखाधड़ी करने के आरोप में राजधानी के बड़े ट्रैवल एजेंसी एवीएस हालिडेज के निदेशक अक्षय शर्मा को गिरफ्तार किया है। फ्लाइट बुकिंग और रिफंड की आड़ में आरोपित अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के नागरिकों से धोखाधड़ी करता था।

एविएशन रिफंड धोखाधड़ी गिरोह का पदार्फाश, कंपनी डायरेक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली, । राजधानी में एविएशन रिफंड धोखाधड़ी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक आपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने इसका पदार्पाश किया है। वैध ट्रैवल एजेंसी की आड़ में संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और कनाडा के नागरिकों से धोखाधड़ी करने के आरोप में राजधानी के बड़े ट्रैवल एजेंसी एवीएस हालिडेज के निदेशक अक्षय शर्मा को गिरफ्तार किया है। फ्लाइट बुकिंग और रिफंड की आड़ में आरोपित अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के नागरिकों से धोखाधड़ी करता था। एजेंसी के कर्मचारी विदेशी नागरिकों की फ्लाइट छूट जाने अथवा किसी आपात स्थिति में बुकिंग रद करने पर उन यात्रियों का फुल रिफंड हासिल करने के लिए उनके परिवार में किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने की बात दिखाने के लिए जाली मृत्यु प्रमाणपत्र अथवा बीमार दिखाने के लिए मेडिकल प्रमाणपत्र लगा देते थे। फर्जी दस्तावेज के जरिये संबंधित एयरलाइंस से फुल रिफंड लेकर वे लोग यात्रियों को दस से 20 प्रतिशत रिफंड देकर बाकी रकम हड़प लेते थे। ट्रैवल एजेंसी में इस तरह की धोखाधड़ी कई वर्षों से चल रही थी। डिजिटल साक्ष्य के तौर पर एजेंसी से 36 लैपटाप, छह मोबाइल और चार हार्ड ड्राइव बरामद किए गए हैं। डीसीपी स्पेशल सेल अमित कौशिक का कहना है कि दिल्ली में अपने तरह का यह पहला हैरान करने वाला मामला सामने आया है। अक्षय शर्मा, कीर्ति नगर का रहने वाला है और वहीं पर उसकी ट्रैवल एजेंसी का बड़ा कार्यालय भी है। इसकी एजेंसी में करीब 400 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। जांच अभी प्रारंभिक स्तर पर है। इस मामले में कई और आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा। सेल को कुछ समय पहले शिकायत मिली थी कि कीर्ति नगर से संचालित एवीएस हालिडेज संगठित धोखाधड़ी में लिप्त है। आरोपित फ्लाइट बुकिंग और कैंसलेशन सेवाओं के लिए गूगल, इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म, सर्च इंजन आप्टिमाइजेशन तकनीक सहित ऑनलाइन विज्ञापन प्लेटफार्म का उपयोग करता था। आरोपित बुकिंग प्रक्रिया के बहाने विदेशी नागरिकों के कार्ड नंबर और सीवीवी सहित संवेदनशील वित्तीय डाटा प्राप्त करता था और पीड़ितों के नाम पर टिकट जारी होने के बाद, सिंडिकेट बाद में ग्राहकों का प्रतिरूपण करके धोखाधड़ी वाली रद्दीकरण प्रक्रिया शुरू करता था।

वे लोग फुल रिफंड प्राप्त करने के लिए एयरलाइंस को जाली दस्तावेज, जिसमें जाली मृत्यु और चिकित्सा प्रमाण पत्र शामिल होते थे उसे प्रस्तुत करते थे। जब्त किए गए इलेक्ट्रानिक उपकरणों के प्रारंभिक फोरेंसिक विश्लेषण से इन धोखाधड़ी वाले दावों को सुविधाजनक बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए सैकड़ों जाली दस्तावेज का पता चला है। पीड़ितों और तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं (एयरलाइंस और बिचौलियों) के विदेशी स्थान को देखते हुए क्षेत्राधिकार संबंधी जटिलता के बावजूद पुलिस टीम ने गहन जांच कर बुधवार को आरोपित को कीर्ति नगर स्थित कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने किया नबी करीम इलाके का दौरा, बोले- सभी वर्गों का होगा निष्पक्ष विकास

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने गुरुवार को बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र के नबी करीम इलाके का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मुलाकात की और क्षेत्र की जल निकासी और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का निरीक्षण किया। मंत्री ने वर्षों से उपेक्षित नागरिक समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए त्वरित समाधान और सभी वर्गों के लिए निष्पक्ष विकास का भरोसा दिलाया।निरीक्षण के बाद प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि ह्लरामनगर, बगिची रघुनाथ और भड़भूजे वाली गली जैसे इलाकों में वर्षों तक अनेक परिवारों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा गया, सिर्फ इसलिए कि उनका धर्म अलग था। यह भेदभावपूर्ण सोच आज की दिल्ली में स्वीकार्य नहीं है। हमारी सरकार में हर नागरिक को (चाहे उसका धर्म, जाति या पृष्ठभूमि कुछ भी हो) समान अधिकार और सुविधाएं मिलेगी। मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों और क्षेत्र के वर्तमान विधायक, जो कभी दिल्ली सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं ने बल्लीमारान क्षेत्र में समावेशी और समान विकास नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि यह

साफ दिखता है कि कुछ खास समुदाय को लाभ पहुंचाया गया, जबकि बड़ी आबादी को लगातार नजरअंदाज किया गया। विकास किसी राजनीतिक इनाम का माध्यम नहीं, बल्कि हर नागरिक का हक है। उन्होंने आगे कहा कि अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में वोटबैंक की राजनीति के कारण बुनियादी सेवाओं जैसे पानी की पाइपलाइन और सीवरेज जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता नहीं दी गई, जो कि एक गहरी सामाजिक अन्याय की तस्वीर है। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में क्षेत्र में बड़ी संख्या में अवैध जल कनेक्शन दिए गए, जो नियमों को ताक पर रखकर किए गए। ह्लमैंने संबंधित सभी फाइलें तलब की हैं। हर मामले की निष्पक्ष जांच होगी। यदि कोई कनेक्शन जायज है तो उसे नियमित किया जाएगा, और यदि अनुचित पाया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हमारा उद्देश्य है पारदर्शी और न्यायसंगत सेवा वितरण सुनिश्चित करना।

मंत्री ने यह भी घोषणा की कि भड़भूजे वाली गली जैसे तंग रिहायशी इलाकों में सीवर लाइन को अपग्रेड करने का कार्य तुरंत शुरू किया जाएगा। इन गलियों में खुले नाले स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए वर्षों से बड़ी चुनौती बने हुए हैं। भाजपा सरकार की नीति को दोहराते हुए मंत्री ने कहा कि अब तुष्टीकरण की राजनीति और चुनिंदा सेवा वितरण का युग समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि जिन्हें अब तक अनदेखा किया गया। उन्हें अब उनका हक मिलेगा। यह कोई एहसान नहीं, बल्कि उनका हक है। हमारी सरकार हर नागरिक को समान सम्मान और अवसर देने के सिद्धांत पर काम कर रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नबी करीम और आसपास के इलाकों में सभी विकास कार्य पारदर्शिता, जवाबदेही और जन-सहभागिता के साथ पूरे किए जाएंगे।

शंघाई सहयोग संगठन रक्षा मंत्रियों की 22वीं बैठक 25-27 जून 2025 किंगदाओ चीन में कुछ देशों की जुगलबंदी को भारत का वीटो पावर भारी पड़ा-साझा घोषणा पत्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत के बढ़ते कद,रुतबे और प्रतिष्ठा से स्वाभाविक रूप से कुछ देश या उनका संगठन ईर्ष्या जरूर करेगें। 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में कदम रखा था अभी 26 जून 2025 को शुभांशु शुक्ला ने भी भारत के दूसरे बहादुर ने कदम रखा है यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि और भारत की दिशा, विचारधारा को नजरंदास कर उसे कम आकलन कर अपने सहयोगी सदस्य देश का पक्ष जरूर लेंगे। वैसे भी यह हर देश की नीति रणनीति रहती है कि उसके लिए राष्ट्रहित सर्वोत्तम रहता है।दुनियाँ का बादशाह कहलानें वाला देश भी अनेक बार अपने हित के लिए पड़ोसी व विस्तारवादी मुल्क, खाड़ी देशों, पश्चिम एशिया इत्यादि में अपनें सहयोग के साथ की स्थिति बदलते रहता है, ठीक उसी तरह भारत भी कूटनीतिक, विदेश नीति के हिसाब से राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रखकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनीं विचारधारा, संकल्प, देशहित, विश्वहित की अपनी नीति शुरू से ही जारी रखे हुए हैं। आज मैं किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहा हूं क्योंकि हमने 26 जून 2025 को चीन के किंगदाओ शहर में चल रहे रक्षा मंत्रियों के शंघाई सहयोग संगठन में साझा घोषणापत्र पर भारतनें हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है,क्योंकि उनकाआतंकवाद पर पाक के बलूचिस्तान का तो नाम था परंतु भारत के पहलगाम का नाम नहीं था,जिस पर हमारे रक्षामंत्री ने भरी सभा में खरीखोटी सुनाई व अनेक बातें कहीं जिसे हम नीचे पैराग्राफ में चर्चा करेंगे,ठीक उसी तरह अभी 3 दिन पहले,तुर्किए के इस्तांबुल में आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन की दो दिवसीय बैठक एक बार फिर पाक की पक्षपातपूर्ण कूटनीति का मंच बन गई। 57 मुस्लिम देशों के संगठन ओआईसी की विदेश मंत्रियों की परिषद ने अपने साझा बयान में जहां एक ओर भारत-पाक के बीच हुए सिंधु जल समझौतेको जारी रखने की बात कही, वहीं दूसरी ओर भारत की सैन्य कार्रवाई और कश्मीर नीति को लेकर भी एकतरफा टिप्पणी की,ओआईसी ने अपने साझा बयान में साफ कर दिया कि वह पाक के रुख का पूरी तरह समर्थन करता है और भारत से अधिकतम संयम बरतने की उम्मीद करता है।चूँकिआतंकवाद से मुकाबला सर्वेजन सुखीनों भवंतु यानें शांति और समृद्धि के लिए सभी को एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा सराहनीय है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कुछ देशों द्वारा जुगलबंदी कर भारतीय विचारधारा को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है,भारत की आवाज हर हाल में सुना ही पड़ेगा।

साथियों बात अगर हम 25-27 जून 2025 तक किंगदाओ चीन में चले शंघाई सहयोग संगठन की 22वीं बैठक में साझा घोषणा पत्र में हस्ताक्षर करने से इंकार की करें तो,एससीओ वर्तमान में 10 सदस्य देश हैं - बेलारूस, चीन, भारत, ईरान,कजाकिस्तान किर्गिस्तान,पाकिस्तान,रूस, ताजिकिस्तान औरउज्बेकिस्तान। बैठक के

बाद साझा घोषणापत्र में चीन नें पाकिस्तान से दोस्ती निभा दी है, चीन ने एससीओ घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र भारत के आग्रह के बावजूदन नहीं किया, जबकि पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बलूचिस्तान में हो रहे विद्रोह का जिक्र आतंकी घटनाओं के तौर पर किया है, इस बैठक में भाग लेने के लिए चीन गए रक्षा मंत्री इससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने इस साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया है, साथ ही भारत ने कहा है कि वे साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी शामिल नहींहोंगे।

भारत के इस कदम के बाद एससीओ का साझा घोषणापत्र जारी नहीं हो सका है।

भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर एससीओ बैठक में भी वही रुख कायम रखा है, जो पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाक में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई में दिखाया था, भारत ने दिखा दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के मुद्दे पर वह किसी तरह की कूटनीतिक नरमी नहीं दिखाने जा रहा है और ना ही किसी तरह के अंतरराष्ट्रीय दबाव में आएगा,भारत ने इस मुद्दे पर एससीओ घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के चीन के आग्रह को भी खारिज करके स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद पर उसका दोहरा रवैया नहीं चलेगा।

साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्री की एससीओ बैठक में सीमा पर आतंकवाद का मुद्दा उठाने की करें तो रक्षामंत्री ने बुधवार को शुरू हुई एससीओ देशों के 10 रक्षामंत्रियों की बैठक में स्पष्ट रूप से सीमापार आतंकवाद का मुद्दा उठाया था,उन्होंने पाक का नाम लिए बिना ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए सीधी चेतावनी दी थी कि निदोषों का खून यदि फिर बहेगा तो भारत का एक्शन जारी रहेगा,भारत फिर से घुसकर आतंकियों को मारेगा, निदोषों का खून बहाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा, उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का भी जिक्र किया था और कहा था कि एक नेपाली नागरिक समेत 26 निदोषों का खून धार्मिक पहचान पूछकर बहाया गया, जिस संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट ने इसकी जिम्मेदारी ली, वो संयुक्त राष्ट्र की तरफ से लिस्टेड पाक आतंकी संगठन लश्कर-ए - ताइबा का प्रॉक्सी संगठन है।उन्होंने चीन को भी ताकीद की थी, उन्होंने कहा था कि कोई भी देश कितना भी शक्तिशाली हो, अकेला काम नहीं कर सकता है, हमारे यहां सदियों से सर्वे जन सुखिनो भवन्तु की कहावत है, जिसका मतलब है कि शांति और समृद्धि के लिए सभी को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना पड़ता है। उन्होंने कहा था कि हमारे क्षेत्र में सभी समस्याओं का मूल कारण कट्टरपंथ और आतंकवाद है,आतंकवाद और शांति-समृद्धि साथ-साथ नहीं चल सकते, आतंकवाद को नीतिगत हथियार बनाने वाले और आतंकियों को पनाह देने वाले देशों को दोहरे मानदंड के लिए यहां जगह नहीं है। एससीओ को ऐसा करने वाले देश की आलोचना में संकोच नहीं करना चाहिए, हालांकि भारत के इस आग्रह के बावजूद चीन ने एससीओ का साझा घोषणापत्र तैयार करते समय पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का उसमें जिक्र नहीं किया है, जो उसके दोहरे मानदंड दिखाता है।एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षामंत्री ने कहा कि हमें सीमा पार से हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए ड्रोन सहित आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक का मुकाबला करने की कोशिश करनी चाहिए। हमारी परस्पर जुड़ी दुनिया में पारंपरिक सीमाएं अब खतरों के खिलाफ एकमात्र बाधा नहीं हैं। इसके बजाय हम चुनौतियों के एक जटिल जाल का सामना कर रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और साइबर हमलों से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक फैले हुए हैं। भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के अपने संकल्प पर कायम है।'उन्होंने कहा कि आतंकवाद के लिए भारत की शून्य सहिष्णुता आज उसके काम से प्रकट होती है। इसमें आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखाया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। हमें अपने युवाओं में कट्टरपंथ के प्रसार को रोकने के लिए भी सक्रिय कदम उठाने चाहिए।एससीओ के आरएटीएस तंत्र ने इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद को बढ़ावा देने वाले कट्टरपंथ का मुकाबला करने पर एससीओ राष्ट्राध्यक्षों की परिषद का संयुक्त वक्तव्य भारत की अध्यक्षता हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि शंघाई सहयोग संगठन रक्षा मंत्रियों की 22वीं बैठक 25- 27 जून 2025 किंगदाओ चीन में कुछ देशों की जुगलबंदी को भारत का वीटो पावर भारी पड़ा-साझा घोषणा पत्र अटका अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कुछ देशों द्वारा जुगलबंदी कर भारतीय विचारधारा को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है-भारत की आवाज सुनना पड़ेगा।आतंकवाद से मुकाबला करने सर्वेजन सुखिनो भवन्तुः यानें शांति और समृद्धि के लिए सभी को एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा,सराहनीय।

युद्ध में संयम और धैर्य जरूरी

-संजय गोस्वामी-

पेंटागन ने हाल ही में घोषणा की कि अमेरिका ने ईरान पर जो अभियान चलाया था, उसका नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। यह 21-22 जून, 2025 की मध्यरात्रि के आसपास ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के नेतृत्व में किए गए गुप्त सैन्य हमले का कोडनेम है। इसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना था। जो लगभग सफल रहा है इस समन्वित हमले में 125 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर, 14 जीबीयू-57 बंकर-बस्टर बम की तैनाती और फारस की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी पनडुब्बियों से लॉन्च की गई 30 से अधिक टॉमहॉक मिसाइलें शामिल थीं। सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परमाणु सुविधा नष्ट हो गई है, विकिरण बाहर नहीं आ सकता क्योंकि यह बहुत गहरे भूमिगत में था। यह हमला पहली बार था जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे बड़े बंकर-बस्टिंग बम, जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) का इस्तेमाल किसी ऑपरेशनल संघर्ष में किया था। इस अभियान में फोर्डो और नतांज में दो यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं और इस्फहान में एक सुविधा को निशाना बनाया गया, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित कई गतिविधियों का संचालन करती है। नतांज और फोर्डो ईरान में एकमात्र परिचालन संवर्धन सुविधाएँ हैं। अमेरिका ने नातान्ज और फोर्डो पर एमओपी से सुसज्जित बी-2 बमवर्षकों से हमला किया तथा केवल इस्फहान पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फोर्डो इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ईरानी शहर कोम से 29 किलोमीटर उत्तर में एक पहाड़ के भीतर स्थित, फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भीतर एक अत्यधिक संरक्षित और रणनीतिक रूप से केंद्रीय स्थल है। इसकी भूमिगत स्थिति संभावित हवाई बमबारी के खिलाफ महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है, एक डिजाइन विकल्प जो इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का संकेत देता है। यह सुविधा लगभग 54, 000 वर्ग फीट में फैली हुई है और माना जाता है कि इसमें 3, 000 सेंट्रीफ्यूज हैं। 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना की शर्तों के तहत, ईरान को फोर्डो में संवर्धन गतिविधियों का संचालन करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। बी-2 बमवर्षक विमान जमीन से 200 फीट नीचे तक बहुत ही आक्रामक होता है, चाहे वह स्टील हो या कंक्रीट अब जबसिजफायर की घोषणा हुई है तो शांति से काम लेना चाहिएदूसरे देश ईरान पर युद्ध के लिए दबाव बना रहे हैं कि ईरान को परमाणु बम मिल जाएगा जिससे तनाव का माहौल बन रहा है। ट्रंप ने जो भी कहा है कि इजरायल उसके खिलाफ कभी कुछ नहीं करेगा। ईरान को परमाणु बम मिलने पर पूरी तरह से ईरान आक्रामक पूरी तरह से आक्रामक हो गया

हैजिससे आम जनता को नुकसान हो रहा है 1960 के दशक की शुरूआत में, राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी को एक जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसने उनके प्रशासन को इजरायल की गुप्त परमाणु महत्वाकांक्षाओं में उलझा दिया। इस संघर्ष के केंद्र में इजरायल का परमाणु हथियार कार्यक्रम था, जिसका जेकेएफ (जेकेएफ) ने कड़ा विरोध किया, खासकर यह पता चलने के बाद कि देश अत्यधिक संदिग्ध परिस्थितियों में संयुक्त राज्य अमेरिका से यूरेनियम प्राप्त कर रहा था। इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और चुराए गए यूरेनियम का मामला दशकों से साज़िश और संदेह का स्त्रोत रहा है, कुछ विशेषज्ञों ने तो यह भी सुझाव दिया कि इजरायल के परमाणु विकास के प्रति कैनेडी के विरोध ने 1963 में उनकी दुखद हत्या में योगदान दिया हो सकता है। परमाणु प्रसार पर कैनेडी की स्थिति अडिग थी। उन्होंने परमाणु हथियारों के प्रसार को वैश्विक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखा, और इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाएं उनके लिए एक बड़ी चिंता का विषय थीं। राष्ट्रपति ने इजरायल सरकार पर अपने गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव डालने की कोशिश की, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) द्वारा इजरायल की डिमोना परमाणु सुविधा के संस्थागत, नियमित निरीक्षण के लिए दबाव डाला। यह न केवल एक कूटनीतिक चिंता थी बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला था। कैनेडी के लिए, परमाणु प्रसार की क्षमता उनका निजी दुःस्वप्न था, जैसा कि परमाणु ऊर्जा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष ग्लेन सीबोर्ग ने उल्लेख किया था। कैनेडी के प्रयासों के बावजूद, प्रधान मंत्री डेविड बेन-गुरियन सहित इजरायली अधिकारियों ने परमाणु हथियार विकसित करने के किसी भी इरादे से इनकार किया। सुविधा पर निर्माण 2006 में शुरू हुआ, लेकिन संवर्धन संयंत्र के अस्तित्व का खुलासा अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को ईरान द्वारा 21 सितंबर 2009 को किया गया जब यह साइट पश्चिमी खुफिया सेवाओं को पता चल गई। पश्चिमी अधिकारियों ने साइट का पहले खुलासा नहीं करने के लिए ईरान की कड़ी निंदा की; अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि फोर्डो अमेरिकी निगरानी में था। ईरान का तर्क है कि यह खुलासा आईएईए के साथ उसके सुरक्षा समझौते के तहत उसके कानूनी दायित्वों के अनुरूप था, जिसके बारे में ईरान का दावा है कि ईरान को परमाणु सामग्री प्राप्त करने से 180 दिन पहले नई सुविधाओं की घोषणा करनी होगी। आईएईए ने कहा कि ईरान 2003 में अपने समझौते से बाध्य है कि जैसे ही ईरान ने इसका निर्माण करने का फैसला किया, उसे सुविधा की घोषणा करनी होगी। हां, परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (टीपीएनडब्ल्यू) के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत परमाणु हथियारों की बिक्री पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। 2017 में अपनाई गई यह संधि न केवल बिक्री, बल्कि परमाणु हथियारों के विकास, परीक्षण, उत्पादन, भंडारण और उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाती है। हालाँकि सभी देशों ने टीपीएनडब्ल्यू पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जिसमें सभी परमाणु हथियार वाले देश भी शामिल हैं, लेकिन यह इन हथियारों के वैश्विक निषेध की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईएईए के दिशा-निर्देशों के अनुसार परमाणु बम के डिजाइन के लिए परमाणु सामग्री बिना सुविधा के नहीं बनाई जा सकती है। और जब सुविधा नष्ट हो जाती है तो परमाणु बम नहीं बनाया जा सकता. ने सही नहीं किया लेकिन अमेरिका एक ऐसा देश है जो अगर नुकसान हुआ तो फिर से भारी युद्ध करेगा उसके मित्र देश देश युद्ध के लिए उसका रहे है.

सम्पादकीय...

विकास यात्रा में छुपी उस असमानता

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2024 में भारत को 148 देशों में 131वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पदार्फाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है। वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है–आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1% है, जो वैश्विक औसत 68.5% से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9% पर अटकी हुई है। महिलाएँ मुख्यतः देखभाल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में केंद्रित हैं। घरेलू और अवैतनिक श्रम, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अभी तक किसी राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल नहीं किया गया है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान कार्य के लिए 20झ30% कम वेतन प्राप्त होता है। यह आर्थिक असमानता केवल आँकड़ों की नहीं, सोच की समस्या है। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति तो हुई है, परंतु महिला साक्षरता दर अभी भी लगभग 70% है, जो वैश्विक औसत 87% से बहुत कम है। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों की लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने वाली सामाजिक बाधाएँ–जैसे बाल विवाह, रुढ़िवादी सोच और विद्यालयों की दूरी–अब भी मौजूद हैं। स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पिछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएँ, कुपोषण, रक्ताल्पता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है। राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8% रह गया है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल 5.6% महिलाएँ हैं। यह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पारित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुनःनिर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून पारित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। बांग्लादेश जैसे देश ने सूक्ष्म वित्त, महिला शिक्षा प्रोत्साहन, और निरंतर राजनीतिक भागीदारी जैसे उपायों से सकारात्मक सुधार किए हैं। नेपाल में संविधान द्वारा स्थानीय निकायों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि कई निम्न आय वाले देशों ने धनी देशों की तुलना में लैंगिक समानता में अधिक तेजी से प्रगति की है, जो यह दशार्ता है कि बदलाव के लिए धन नहीं, दृढ़ नीयत चाहिए। लैंगिक समानता केवल एक सामाजिक उद्देश्य नहीं, भारत की आर्थिक प्रगति के लिए भी अनिवार्य है। मैकिंजी ग्लोबल संस्थान का अनुमान है कि यदि भारत कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाता है, तो 2025 तक अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 700 अरब डॉलर तक की वृद्धि कर सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और शासन में महिलाओं की भागीदारी से सामाजिक परिणाम भी अधिक न्यायसंगत और समावेशी होते हैं। भारत की जनसांख्यिकीय क्षमता तभी सार्थक होगी, जब उसमें महिलाओं की पूरी और समान भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। किन्तु चुनौतियाँ गहरी हैं। पितृसत्तात्मक सामाजिक मूल्य, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए सुरक्षा की कमी, डिजिटल उपकरणों तक सीमित पहुँच और नीतियों के क्रियान्वयन में ढिलाई–ये सभी मिलकर लैंगिक असमानता को टिकाऊ बना रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत केवल योजना बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें जमीन पर उतारे। महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने हेतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। घरेलू और अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक लेखा-जोखा में शामिल कर उसे सम्मान और सामाजिक सुरक्षा दी जानी चाहिए। महिलाओं के लिए लचीले और सुरक्षित कार्यस्थलों की व्यवस्था की जाए, विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-नगरीय क्षेत्रों में। निजी क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों में महिला निदेशक की अनिवार्यता हो। विज्ञान, राजनीति और उद्यमिता में महिलाओं के लिए परामर्श (मेंटॉरशिप) कार्यक्रम चलाए जाएँ। डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए महिलाओं को सस्ते मोबाइल व इंटरनेट सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ, और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को पंचायत स्तर तक पहुँचाया जाए। हर योजना और सर्वेक्षण में लैंगिक रूप से अलग आँकड़े संकलित करना अनिवार्य हो ताकि राज्य और जिले स्तर पर प्रगति की निगरानी की जा सके और नीति निर्माण अधिक लक्षित हो सके। भारत की लैंगिक समानता में यह गिरावट केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है–कि हमने विकास की दौड़ में आधी आबादी को पीछे छोड़ दिया है। यह भूल केवल सामाजिक न्याय की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि की भी कीमत वसूलती है। समानता की राह लंबी है, पर असंभव नहीं। नीति बन चुकी है, दिशा स्पष्ट है, अब आवश्यकता है राजनीतिक संकल्प, सामाजिक सहमति और संस्थागत क्रियान्वयन की। जब तक भारत अपनी आधी आबादी को बराबरी का स्थान नहीं देगा, तब तक ₹विकसित राष्ट्र₹ का सपना अधूरा रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

उत्तर प्रदेश के इटावा में डबल डेकर बस पलटी, दो की मौत, 25 से अधिक

इटावा, (हि.स.)। बिहार से दिल्ली जा रही एक डबल डेकर बस गुरुवार को इटावा के सैफई क्षेत्र में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक नेपाली महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि थाना सैफई क्षेत्र के अंतर्गत आगरा लखनऊ-एक्सप्रेस-वे पर बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस हादसे का शिकार हो गई। घटना में बस में सवार दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती करवाया है। घायलों में कुछ यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि मरने वाले यात्रियों की शिनाख्त सईदा खातून निवासी नेपाल और मनोज कुमार निवासी दरभंगा, बिहार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हादसे का कारण प्रथम दृष्टया बस चालक को झपकी आना प्रतीत हो रहा है।

उत्तराखंड : अलकनंदा में गिरा टेंपो ट्रैवलर, दो की मौत, आठ घायल

देहरादून, (हि.स.)। रुद्रप्रयाग के घोलतीर क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में गिर गया। इस हादसे दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि आठ घायलों को रेस्क्यू के उपरान्त जिला चिकित्सालय भिजवाया गया है। दुर्घटना में 10 यात्री लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश के लिए रेस्क्यू कार्य जारी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंध अधिकारी नंदन रजवार ने बताया कि टेंपो ट्रैवलर बद्रीनाथ की ओर जा रहा था, जो घोलतीर क्षेत्र में अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में गिर गया। रेस्क्यू टीमों ने त्वरित राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ करते हुए घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया है। मौके पर रेस्क्यू अभियान जारी है। घटनास्थल पर एसडीआरएफ, पुलिस बल और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत कार्यों में जुटी हुई हैं। घायलों की पहचान दीपिका सोनी निवासी सिरोही मीना वास, राजस्थान उम्र 42 वर्ष, हेमलता सोनी निवासी गोगुण्डा, राजस्थान उम्र 45 वर्ष, ईश्वर सोनी निवासी ई 202 पर्वत सिलिकॉन पैलेस, नियर अर्चना स्कूल, गुजरात उम्र 46 वर्ष, अमिता सोनी निवासी

मीरा रोड, महाराष्ट्र उम्र 49 वर्ष, सोनी भावना ईश्वर निवासी ई 202 पर्वत सिलिकॉन पैलेस, नियर अर्चना स्कूल, गुजरात उम्र 43 वर्ष, भव्य सोनी निवासी ई 202 सिलिकॉन पैलेस, बाम्बे मार्केट, नियर अर्चना स्कूल, गुजरात उम्र 07 वर्ष, पार्थ सोनी निवासी वार्ड नं. 11 राजगढ़, वीर सावरकर मार्ग ग्राम राजगढ़ मध्य प्रदेश उम्र 10 वर्ष, सुमित कुमार (चालक) पुत्र नरेश कुमार निवासी बैरागी कैम्प, हरिद्वार, उम्र 23 वर्ष के रूप में हुई है। मृतकों की पहचान की जा रही है।

एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान के ब्लैक बॉक्स की जांच जारी:

नई दिल्ली, (हि.स)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया हादसे के बाद मिले ब्लैक बॉक्स की जांच से जुड़ी जानकारी साझा की है। मंत्रालय ने बताया है कि 24 जून को फ्रंट ब्लैक बॉक्स से क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (सीपीएम) को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया, 25 जून को मेमोरी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया और इसका डेटा एएआईबी लैब में डाउनलोड किया गया। सीवीआर और एफडीआर डेटा का विश्लेषण जारी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-171 के ब्लैक बॉक्स डेटा का विश्लेषण अभी चल रहा है। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों को बरामद कर लिया गया था, उन्हें दिल्ली ले जाया गया है और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) प्रयोगशाला में डेटा विश्लेषण जारी है। मंत्रालय ने कहा कि टीम का नेतृत्व एएआईबी के महानिदेशक कर रहे हैं। इसमें यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के प्रतिनिधि, एक विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ और एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) अधिकारी शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक भारत, आईसीएओ शिकागो कन्वेंशन (1944) का हस्ताक्षरकर्ता होने के नाते आईसीएओ अनुलग्नक 13 और विमान (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियम, 2017 के अनुरूप जांच कर रहा है।

अंतरिक्ष यात्रा से दुनिया को देखने का नजरिया बदल जाता है. पृथ्वी सबकी है: राकेश

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने कहा कि अंतरिक्ष यात्रा इंसान की सोच को बदल देती है और उसे दुनिया को इस नजरिए से देखने पर मजबूर करती है कि यह ग्रह सबका है, किसी एक का नहीं शर्मा ने अपने विचार एक रिकॉर्ड किए गए पॉडकास्ट में साझा किए, जिसे रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को जारी किया जब 41 साल बाद फिर से एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने अंतरिक्ष की ओर कदम बढ़ाए।बुधवार को भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री एक ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पर रवाना हुए हैं। शर्मा ने 1984 में तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन की कक्षा में आठ दिन बिताए थे। शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस के वाणिज्यिक मिशन के तहत अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के तीन अन्य यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन रवाना होकर इतिहास रच दिया। बुधवार रात जारी पॉडकास्ट में शर्मा ने कहा कि अपने चयन के समय वह भारतीय वायु सेना में एक परीक्षण पायलट थे। बाद में वह भारतीय वायुसेना से विंग कमांडर के पद से सेवानिवृत्त हुए। शर्मा ने कहा, उस समय मैं जवान था, फिट था और योग्य भी था, इसलिए मेरा चयन हो गया। इसके बाद हम मॉस्को के पास स्टार सिटी गए, जहां हमें प्रशिक्षण मिला।ह उन्होंने कहा, ह्ययह प्रशिक्षण 18 महीने तक चला, जो अंत में 1984 के भारत-सोवियत संयुक्त अंतरिक्ष मिशन में बदल गया। यह आठ दिनों का मिशन था, जिसमें हमने कई वैज्ञानिक प्रयोग किए। शर्मा ने याद किया कि पूरा प्रशिक्षण, तथा कक्षा में रहने के दौरान चालक दल के सदस्यों और मिशन नियंत्रण के बीच संचार रूसी भाषा में हुआ था। उन्होंने कहा, ह्यप्रशिक्षण शुरू करने से पहले हमें भाषा सीखनी थी और समय की कमी के कारण यह आसान नहीं था। इसलिए, हमें भाषा सीखने में लगभग दो महीने लगे।

भारतीय भाषाएं बनेंगी भारत को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम : अमित

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि भारतीय भाषाएं भारत को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम बनेंगी। शाह ने कहा कि आने वाले समय में केंद्र और राज्यों के प्रशासन में भारतीय भाषाओं का उपयोग और भी बढ़ेगा। वह इसके लिए राज्यों से संपर्क करेंगे और उन्हें समझाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर शाह ने राजभाषा हिन्दी और सभी भारतीय भाषाओं के प्रेमियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ह्नहमें किसी भी भाषा या विदेशी भाषा से विरोध नहीं है, लेकिन आग्रह अपनी भाषा के सम्मान और उपयोग का होना चाहिए। जब तक हम

अपनी भाषा में सोचेंगे और गर्व से बोलेंगे नहीं, तब तक गुलामी की मानसिकता से मुक्ति संभव नहीं है। राजभाषा विभाग की 1975 से 2025 तक की यात्रा का उल्लेख कर शाह ने कहा कि भारत की आजादी की शताब्दी (2047) तक देश के आत्मगौरव से जुड़े हर प्रयास में राजभाषा विभाग का योगदान स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकारी प्रशासन आम नागरिकों की भाषा में हो, यह लोकतंत्र और आत्मसम्मान दोनों के लिए जरूरी है। शाह ने बताया कि अब जेईई, नीट और सीयूईटी जैसी परीक्षाएं 13 भारतीय भाषाओं में कराई जा रही हैं। सीएपीएफ कांस्टेबल भर्ती परीक्षा भी अब 13 भाषाओं में हो रही है और 95 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपनी मातृभाषा में परीक्षा दी है। यह दिखाता है कि भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है। हिंदी सभी भाषाओं की मित्र है और सब भाषाएं मिलकर ही भारत के स्वाभिमान को ऊंचा उठा सकती हैं। उन्होंने कहा कि पहले भाषाओं का इस्तेमाल देश को बांटने के लिए किया गया, लेकिन अब उन्हें भारत को जोड़ने का जरिया बनाया जाएगा। समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार, सांसद भर्तृहरि महताब, राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी और हिंदी भाषा की वरिष्ठ विद्वान डॉ. राजलक्ष्मी कृष्णन समेत कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

कथा वाचकों पर मुकदमा लिखने से नाराज यादव समाज के लोगों ने किया बवाल, पुलिस पर पथराव, 19 लोग हिरासत में

इटावा, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के इटावा में कथा वाचक के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद यादव समाज के लोगों ने आक्रोशित होकर थाना बकेवर का घेराव किया। बाद में मुकदमा लिखवाने वाले शख्स के गांव दादरपुर जाकर जमकर बवाल किया।इसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस पर भी अराजकतत्वों ने पथराव करना शुरू कर दिया। पथराव में पुलिस की गाड़िया क्षतिग्रस्त हुई हैं। अराजकतत्वों पर काबू पाने के लिए पुलिस को हल्के बल का प्रयोग करना पड़ा। पुलिस ने बवाल कर रहे 12 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि थाना

बकेवर में कथावाचक मुकुट मणि यादव और संतराम यादव के खिलाफ कथा करवाने वाले दंपति ने अपनी पहचान बदलकर कथा कहने के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है। उसके बाद आज मुकदमा दर्ज होने के विरोध में उपद्रवियों ने दंपति के गांव जाकर बवाल करना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी उपद्रवियों ने पथराव करना शुरू कर दिया। पुलिस की दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। पुलिस ने हल्का बल का प्रयोग करते हुए उपद्रवियों को खदेड़कर स्थिति को नियंत्रण में किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने चिन्हित कर उन्नीस उपद्रवियों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों पूर्व थाना बकेवर क्षेत्र के दादरपुरा गांव में ब्राह्मण दंपति ने कथा का आयोजन करवाया था। उनके यहां कथा वाचक बनकर आए लोगों ने अपने आपको ब्राह्मण समाज का बताया लेकिन बाद में कथा करवाने वाले दंपति और ग्रामीणों को उनके यादव समाज के होने की जानकारी मिली। इस पर ग्रामीणों ने उन्हें अपमानित कर गांव से भगा दिया था। उसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे राजनीतिक तूल देते हुए सरकार को ओबीसी और दलित विरोधी बताया था। इसी मामले में पुलिस ने कथा वाचक की तहरीर पर गांव के ही चार लड़कों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया था। मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। जांच में कथा वाचक भी संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने दंपति की तहरीर पर कथा वाचकों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर दिया।

चुनाव आयोग से मुलाकात से पहले कांग्रेस की शर्त- वीडियो फुटेज और डिजिटल मतदाता सूची की

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अपनी दो मांगों को फिर दोहराया है। इसमें डिजिटल मतदाता सूची और चुनाव की वीडियो फुटेज शामिल है। साथ ही कहा है कि दोनों मांगों के पूरा होने के बाद पार्टी आयोग से मिलने को भी राजी है और इसमें पार्टी अपना विश्लेषण भी आयोग के समक्ष रखेगी। कांग्रेस की ओर से बनाए गए विशेष समूह (ईगल-नेताओं और विशेषज्ञों का सशक्त कार्य समूह) ने आयोग को पत्र लिख कर कहा है कि उसे महाराष्ट्र के लोकसभा और विधानसभा चुनावों की अंतिम मतदाता सूची की मशीन रिडेबल डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र तथा हरियाणा के मतदान दिवस की वीडियो फुटेज चाहिए।पत्र में कहा गया है कि पार्टी की यह लम्बे समय से चली आ रही मांग है और चुनाव आयोग इसे आसानी से पूरा कर सकता है। पार्टी का कहना है कि इसे प्राप्त करने के बाद पार्टी नेतृत्व चुनाव आयोग से मिलने को तैयार है।उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग लगातार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर मिलने के लिए आमंत्रित कर रहा है। इस संबंध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र भी लिखा गया है। वहीं, कांग्रेस की मांगों पर आयोग का कहना है कि नियमों के तहत मतदाता सूची अपडेट होती है और इसे सभी राजनीतिक दलों को आपत्तियां देने के लिए समय से उपलब्ध भी कराई जाती हैं। इसके अलावा वीडियो फुटेज मुहैया कराना मतदाताओं के मताधिकार की गोपनीयता की दृष्टि से सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन होगा। पार्टी ने पत्र में कहा है कि 2019 के लोकसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान जितने मतदाता महाराष्ट्र में जुड़े हैं उससे अधिक मतदाता केवल 2024 मई में हुए लोकसभा चुनाव और नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव के बीच जुड़े हैं। पार्टी का कहना है कि मतदाताओं की संख्या में इतने बड़े स्तर पर इजाफा शंका पैदा करता है।

भारत-कनाडा में उच्चायुक्तों की बहाली पर दोनों देशों में सहमति : विदेश

नई दिल्ली,(हि.स.)। भारत और कनाडा के बीच हाल के महीनों में उत्पन्न कूटनीतिक तनाव कम करने की दिशा में सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि दोनों देश अपने-अपने उच्चायुक्तों की बहाली को लेकर सहमत हैं और इस पर काम जारी है। विदेश मंत्रालय की गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कनाडा में भारत के उच्चायुक्त की बहाली को लेकर पूछे गए सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-कनाडा संबंधों में स्थिरता लाने के प्रयास जारी हैं और उच्चायुक्तों की वापसी

इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने बताया कि जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के अल्बर्टा स्थित कनानास्किस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की पिछली मुलाकात हुई थी। उस बैठक के बाद जारी संयुक्त प्रेस बयान में दोनों नेताओं ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति सम्मान और संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों पर आधारित आपसी संबंधों की पुष्टि की थी।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच यह सहमति बनी थी कि आपसी रिश्तों में संतुलन और स्थिरता वापस लाने के लिए संतुलित व रचनात्मक कदम उठाए जाएंगे, जिसकी शुरुआत एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों की जल्द वापसी से होगी। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्ष अब इस विशेष मुद्दे पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

युद्धविराम के बाद अपने पहले संदेश में खामेनेई ने अमेरिका को दी

दुबई, (हि.स.)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने युद्धविराम के बाद अपने पहले सार्वजनिक बयान में गुरुवार को अमेरिका और इजराइल को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कतर स्थित अमेरिकी एयरबेस पर ईरान की जवाबी कार्रवाई अमेरिका के लिए ₹एक करारा तमाचा₹ थी और भविष्य में अगर कोई हमला हुआ तो ईरान चुप नहीं बैठेगा। खामेनेई का यह बयान 19 जून के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आया है। उन्होंने यह संदेश ईरानी सरकारी टेलीविजन पर रिकॉर्ड किए गए वीडियो के माध्यम से दिया। 86 वर्षीय खामेनेई इस बार पहले की अपेक्षा थके हुए और धीमी आवाज में बोलते नजर आए। उन्होंने भाषण के दौरान कुछ बार शब्दों को दोहराया और आवाज में कमजोरी भी झलक रही थी। इस 10 मिनट से अधिक लंबे भाषण में खामेनेई ने अमेरिका और इजराइल को लगातार चेतावनी दी। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए गए उस बयान को ₹बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया₹ बताया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। खामेनेई ने कहा, ₹वे कुछ भी उल्लेखनीय हासिल नहीं कर सके।₹ हालांकि उन्होंने इस वीडियो संदेश में ईरान के परमाणु कार्यक्रम या सेंट्रीफ्यूज की स्थिति पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी, जबकि अमेरिका और इजराइल दोनों ने इन पर हाल ही में भारी हमले किए थे। खामेनेई ने सोमवार को कतर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान की मिसाइल हमले को ह्नटीक प्रतिकारह्न बताया। यह बयान अमेरिकी अधिकारियों के उस दावे से विपरीत है, जिनके अनुसार हमला सीमित था और उसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ मुठभेड़ में मारी गई 6 लाख की ईनामी दो महिला नक्सली

नारायणपुर, (हि.स.)। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिले के कोहकामेटा थाना क्षेत्र अंतर्गत अबूझमाड़ इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में जवानों ने 2 वर्दीधारी महिला नक्सलियों को ढेर कर दिया। इनके शव बरामद कर लिए गए हैं। शव के साथ मौके से एक इंसास राइफल, 8 राउंड और एक मैगजीन, एक देशी निर्मित .315 बोर राइफल, 4 राउंड, .303 रायफल के 15 राउंड सहित विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं। मुठभेड़ के दौरान घने जंगल का लाभ उठाकर भाग निकले अन्य नक्सली कैडरों का पता लगने के लिए आस-पास के जंगलों में तलाशी अभियान जारी है। नारायणपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन गुरिया ने मारे गए नक्सली कैडरों की पहचान की पुष्टि करते हुए बताया कि पहली सीमा है, जो एरिया कमेटी मेंबर (अउट), कुतुल एरिया कमेटी, इनामी 5 लाख, निवासी ग्राम जगरगुंडा, जिला सुकमा एवं दूसरी लिंगे उर्फ. रांझू, पार्टी मेंबर (ढट), कुतुल एलओएस, इनामी एक लाख, निवासी ग्राम कायेड्राड, जगरगुंडा, जिला सुकमा के रूप में शिनाख्त की गई है। पुलिस अधीक्षक नारायणपुर प्रभात कुमार ने बताया कि यह अभियान ₹माड़ बचाओ अभियान₹ के तहत अबूझमाड़ के जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों में पुलिस को नक्सलियों के माड़ डिवीजन के बड़े कैडर की सूचना पर डीआरजी नारायणपुर, कोंडागांव, एसटीएफ एवं आईटीबीपी के 41वीं एवं 45वीं बटालियन के संयुक्त बल को बुधवार रात में अबूझमाड़ कोहकमेटा इलाके में ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। जब जवान नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंचे तो नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान 25 जून की रात में लगातार सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ होती रही। गुरूवार सुबह मुठभेड़ के पश्चात जब जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। घटनास्थल से दो वर्दीधारी महिला नक्सली कैडरों के शव बरामद किए गए, जिनके पास से हथियार एवं अन्य सामग्री भी प्राप्त हुई।

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पी. ने बताया कि सुरक्षा बल नक्सलियों के विरुद्ध अभियान को मानसून के दौरान भी निरंतर जारी रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। प्रतिबंधित नक्सली संगठन के पास अब आत्मसमर्पण और हिंसा छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि तत्काल हिंसात्मक गतिविधियां त्याग कर मुख्यधारा से जुड़ें, अन्यथा उन्हें सख्त कार्रवाई और गंभीर परिणामों के लिए तैयार रहना होगा।

उल्लेखनीय है कि, पिछले 18 माह में बस्तर रेंज में हुई विभिन्न मुठभेड़ों के दौरान अब तक कुल 414 नक्सली कैडरों के शव बरामद किए गए हैं, जिनमें नक्सली संगठन के शीर्ष कैडर के महासचिव बसवराजु उर्फ. गंगन्ना तथा सीसीएम गौतम उर्फ.सुधाकर जैसे शीर्ष नक्सली भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को नशा मुक्त दिल्ली व भारत के निर्माण का संकल्प

नई दिल्ली, । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम हिस्सा लिया। उन्होंने इस मौके पर युवाओं को नशे से दूर रहने, समाज को जागरूक करने और नशा मुक्त दिल्ली व भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, विधायक ओम प्रकाश शर्मा, संजय गोयल एवं डॉ. अनिल गोयल मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार की एकता और समाज की बुनियाद को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। हमारा उद्देश्य

है कि दिल्ली की युवाशक्ति अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और सकारात्मक परिवर्तन में लगाए, यही हमारी सरकार का मूल संकल्प है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया ह्लनशा मुक्त भारतह्व का संकल्प आज पूरे देश में जन-आंदोलन बन चुका है।

इस अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाने में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का सक्रिय मार्गदर्शन और सशक्त प्रशासनिक नेतृत्व अत्यंत प्रेरणादायक है। दिल्ली सरकार इस राष्ट्रीय उद्देश्य की पूर्ति के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है। दिल्ली पुलिस द्वारा संचालित यह जन-जागरूकता अभियान सराहनीय है और दिल्ली सरकार इसमें कंधे से कंधा मिलाकर संकल्पबद्ध रूप से सहभागी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर एक नशा मुक्त, जागरूक और सशक्त दिल्ली के निर्माण में सहभागी बनें।

मंत्री आशीष सूद ने किया 5 रैन बसेरों का निरीक्षण, एनजीओ को लगाई

नई दिल्ली, दिल्ली की गृह मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को दिल्ली के सराय काले खां स्थित पांच रैन बसेरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं में गंभीर खामियां और एनजीओ की संभावित मिलीभगत के संकेत मिले। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड और इनको चलाने वाले एनजीओ को कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि इस तरह की लापरवाही और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए।

बताया कि दिल्ली सरकार को बहुत समय से रैन बसेरों की व्यवस्थाओं और प्रबंधन के बारे में लगातार कई शिकायतें मिल रही

है। इन रैन बसेरों में पिछली सरकार के कार्यकाल से एनजीओ के साथ मिलकर बहुत बड़ा घोटाला और भ्रष्टाचार किया जा रहा है। बताया गया है कि पिछली सरकार ने सैकड़ों लोगों की नियुक्ति इन रैन बसेरों की देखरेख करने के लिए की थी। शिकायतें मिल रही हैं कि इन रैन बसेरों में न तो उतने लोग नियुक्त किए गए हैं और न ही वहां रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल रही है। आम आदमी पार्टी सरकार के भ्रष्ट नेता और उनके इशारे पर चलने वाली एनजीओ और अधिकारियों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर दिल्ली के रैन बसेरों में धोखाधड़ी की जा रही है।

थाना सलेमपुर पुलिस द्वारा 1 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

जनपद में अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 25.06.2025 की रात्रि को थाना सलेमपुर पुलिस द्वारा 01 शातिर अभियुक्त को बंबे के पटरी के ट्यूबवेल के पास से अवैध असलहा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरमादगी के के संबंध में थाना सलेमपुर पर मुअसं- 189/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा हैं।

समाजवादी मजदूर सभा द्वारा छ सूत्रीय मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

बुलन्दशहर। समाजवादी मजदूर सभा द्वारा छ सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट बुलंदशहर को मांग पत्र सौंपा धरने की अध्यक्षता रामकुमार यादव जिला अध्यक्ष बुलन्दशहर ने की व संचालन सतीश गौतम जिला महासचिव ने किया धरने का नेतृत्व चौधरी चन्द्रपाल सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी मजदूर सभा का रहा।

1 गरीब मजदूर महिलाओं सुरक्षा हेतु मांग पूरी की जाए गरीब मजदूरों के सरेआम हत्या बलात्कार हो रहे हैं कानून व्यवस्था तत्काल प्रभाव से ठीक किया जाय

2 उत्तर प्रदेश सरकार 5 हजार स्कूलों को बंद करके गरीबों के बच्चों को शिक्षा से दूर

रखना चाहती है ये गलत निर्णय है 5 हजार स्कूलों को बंद कराने वाले निर्णय पर रोक लगाया जाय

3 जांच करा कर बाल मजदूरी पर रोक लगाया जाए खुर्जा पोट्री यों में काम कर रहे नां बालिग बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जाय

4 जिला बुलन्दशहर छेत्र में प्रदूषण युक्त फैक्ट्री यों की जांच करा कर उचित कार्रवाई की जाए

सिकन्द्राबाद छेत्र की फैक्ट्रीयों में लेबर मजदूरों को वेतन से लेकर पीने के पानी की सुविधा की जांच कराकर दुरुस्त की जाय

5 मजदूरों को बिजली की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए महेंगाई के कारण और रोजगार ना मिलने के कारण मनरेगा मजदूरों का साल में 90 दिन काम का रुपया नहीं दिया जा रहा है

अवैध असलहा कारतूस सहित गिरफ्तार

थाना अहमदगढ़ पुलिस द्वारा 1 अभियुक्त को ग्राम अहमदगढ़ नहर की पटरी के पास से अवैध असलहा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरमादगी के के संबंध में थाना

अहमदगढ़ पर मुअसं- 188/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

खानपुर पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की चुनावी बैठक हुई

बुलंदशहर में खानपुर पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की चुनावी बैठक देव इंटरनेशनल एकेडमी में संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता एस.के सक्सेना प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मुख्य चुनाव अधिकारी (प्रदेश चुनाव) ने की ।

बैठक का संचालन जागेश गोयल ने किया बैठक में खानपुर इकाई का चुनाव संपन्न कराया गया चुनाव के अधिकारी अमरीश कुमार जिंदल सह चुनाव अधिकारी नरेश गोयल एवं सुमित महेश्वरी की उपस्थिति में खानपुर इकाई का चुनाव संपन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से जगेश गोयल को अध्यक्ष घोषित किया गया ब्रजकिशोर सैनी को कोषाध्यक्ष खानपुर इकाई घोषित किया गया' बैठक को संबोधित

करते हुए प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष के सक्सेना ने कहा कि संगठन में शक्ति है किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा सड़कों पर उतरकर व्यापारी हितों के लिए संघर्ष किया जाएगा पश्चिम उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल हमेशा व्यापारियों की लड़ाई में सक्रिय रहा है हर छोटे से छोटे कस्बे और शहर में में पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की इकाइयां हैं जो विधिवत कार्य कर रही हैं आगामी प्रदेश चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए सभी जिले एव कसबो की इकाइयों का चुनाव कराया जा रहा है अमरीश जिंदल नरेश गोयल सुमित महेश्वरी ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दिए और अपेक्षा की संगठन हित में खानपुर इकाई मजबूती से कार्य करेगी अंत में एसके सक्सेना ने सभी व्यापारियों से अनुरोध किया कि आगामी प्रदेश के चुनाव में भारी संख्या में खानपुर से व्यापारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए

सपा कार्यकताओं ने छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती

बुलन्दशहर। जिला कार्यालय समाजवादी पार्टी, बुलन्दशहर पर छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती मनाई गयी। जिसकी अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने की। तथा संचालन हाजी अख्तर ने किया। सभा में मतलूब अली ने कहा राजर्षि छत्रपति साहूजी महाराज कोल्हापुर रियासत के शासक थे, इनका शासन काल 1894 से 1922 तक था। इस अवधि में इन्होंने शिक्षा और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में असाधारण कार्य किये। नौकरी और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था सर्वप्रथम इन्होंने ही शुरू की थी। सभा में चैधरी चन्द्रपाल सिंह, रामकुमार यादव, शेख रहीस, सतीश गौतम, लोधी चरन सिंह राजपूत, मुकेश यादव पिलखनवाली, तिलक चन्द्र लोधी,आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

छतारी के गांव अहमदबास में भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति की पंचायत

बुलंदशहर। थाना छतारी के गांव अहमदबास में भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति की पंचायत हुई जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह गरजे कहां उतारी, पहासू,साबतगढ में रोडवेज बस का बस स्टाप होना चाहिए व दानपुर वाया पहासू खुर्जा बुलंदशहर के लिए 2 रोडवेज बस चलवाने की मांग की पहासू में बने सरकारी अस्पताल में 50 बेड व एक्स-रे अल्ट्रासाउंड लैब की व्यवस्था कराने की मांग की, प्रदेश प्रचार महामंत्री ठाकुर सुनील सिंह ने कहा इन मांगों को लेकर बुलंदशहर राष्ट्रीय कार्यालय पर 28 जून को होने वाली पंचायत में संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सोपा जाएगा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बंटी सिंह ने कहा बदरखा गांव में

आवारा गोवंशो ने किसानों की फसलों को बर्बाद कर दिया सैकड़ो आवारा गोवंश घूम रहे हैं लेकिन तहसील ब्लाक का कोई भी अधिकारी उनको पकड़वाने को तैयार नहीं है जिसको लेकर जल्द बदल का गांव में होगी महापंचायत मौके पर अधिकारियों को बुलाया जाएगा राजेश उपाध्याय ने कहा चकबंदी विभाग में बैठे जिले पर अधिकारी किसानों की बाद समस्याओं का नहीं कर रहे हैं निस्तारण किसान जिले के चक्कर पर चक्कर लगाते लगाते हों गए परेशान जिसमें जिला सचिव राजकुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष युवा नीरज राघव, आदि सैकड़ो की संख्या में किसान उपस्थित रहे जिसमें संगठन का विस्तार भी किया गया दर्जनों लोगों ने सदस्यता ग्रहण की।

श्री अष्ट दुर्गे भवानी जी की 54 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में कार्यकारिणी की बैठक

बुलंदशहर । साठा देवी मंदिर बुलंदशहर उत्तर प्रदेश पर श्री अष्ट दुर्गे भवानी जी की 54 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई जिसमें आने वाले नवरात्र उत्सव में 30 सितंबर 2025 अष्टमी तिथि आश्विन शुक्ल प्रतिपदा संवत 2082 को आयोजित की जाने वाली श्री अष्ट दुर्गे भवानी जी की भव्य एवं विशाल शोभा यात्रा / अखाड़े को लेकर विचार विमर्श किया गया वह कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई तथा इस सभा में कार्यकारी अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, संरक्षक राजीव सिंघल, आशुतोष गर्ग, प्रदीप कुमार, निखिल वर्मा, अनिल पहलवान,सतीश भटनागर,सुमित सक्सेना, काव्य वर्मा,शिखर

भटनागर, अजय गोयल, भगवान दास बाबा,वैभव गुप्ता,सुमित शर्मा पत्रकार, दीपांशु गुप्ता,अंशु शर्मा,व वरिष्ठ अध्यक्ष राहुल नंदन अग्रवाल आदि लोग शामिल रहे वह मीटिंग में मेले व अखाड़े को लेकर आगे भी कुछ प्रस्तावित सभाओं का निर्णय लिया गया जिन में कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा स्पष्ट तौर पर सभी की सहमति से तैयार कर कार्यक्रम की तैयारीयों में जुटा जायेगा

गणपत फार्महाउस जमकर तारीफ की

बुलंदशहर में आज अचानक अनूपशहर के जनसेवक डॉक्टर भीष्म सिंह जो की लखावटी कॉलेज में प्रोफेसर गणपत फार्महाउस आये गणपत फार्महाउस में की जमकर तारीफ की कहां की हर तरफ पेड़ पौधे साफ वातावरण ऐसा हर जगह देखने को नहीं मिलता ऐसा सुंदर वातावरण बहुत ही अच्छा होता है

कांग्रेस ने किया प्रेस वार्ता का आयोजन

बुलंदशहर। प्रदेश सरकार द्वारा समायोजन के नाम पर प्रदेश में लगभग जनपद में लगभग विकास क्षेत्र व विधानसभा क्षेत्र अनूप शहर में लगभग बेसिक शिक्षा के विद्यालयों को बंद करने की तैयारी के विरोध में विधानसभा क्षेत्र अनूपशहर के कांग्रेस कार्यालय पर जिला महासचिव व जिला कोऑर्डिनेटर शामली ज्ञानेंद्र सिंह राघव महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष एवं जिला कोऑर्डिनेटर बरेली प्रज्ञा गौड़ द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के नौ निहालों के शिक्षा के भविष्य को चौपट करने की बनाई जा रही रणनीति के विरोध में तथा शिक्षकों के रोजगार व चरित्र निमार्ता की भूमिका को समाप्त करने की योजना के विरोध में नगर अध्यक्ष सलाम खान की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता का आयोजन किया

गया जिसमें पूर्व में ही देश की सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति के

नाम पर किए गए इतिहास व छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ से अभी छात्र वर्ग उभरा भी नहीं था कि रोजगार शिक्षा देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में लगभग 5000 विद्यालयों जनपद में लगभग 444 व विधानसभा क्षेत्र अनूपशहर में लगभग 80 व विकास क्षेत्र अनूपशहर में लगभग 38 विद्यालयों को कम छात्र संख्या के नाम पर समायोजित के नाम पर बंद करने के खेल में जहां शिक्षा के मूल अधिकार से अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के नौ निहाल बालक बालिकाओं को शिक्षा व रोजगार से वंचित करने तथा गुलामी की ओर अगर्षित करने की योजना के साथ-साथ शिक्षा व गुरुकुल पद्धति में गुरु को भगवान के समान दर्जा देने वाली हमारी संस्कृति व रोजगार को समाप्त करने का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार की तैयारी से आज बुद्धिजीवी वर्ग सरकार के डर से मौन रहने पर जिला कोऑर्डिनेटर ज्ञानेंद्र सिंह राघव व जिला कोऑर्डिनेटर प्रज्ञा गौड़ भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए बुद्धिजीवों के मौन रहने पर उनसे तथा अपने पद बचाने के लिए समाज सेवा के नाम पर आम लोगों से वोट लेकर पदों पर आसीन जनप्रतिनिधियों से भी इस समायोजन के नाम पर बंद किया जा रहे विद्यालय के नीति का विरोध करने का आह्वान किया सभी से इस विद्यालयों को बंद होने से बचने की पहले में जोड़कर सरकार द्वारा मूलभूत अधिकारों से आम गरीब लोगों को वंचित करने के हिटलरशाही नीति का विरोध करने का आह्वान करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री बेसिक शिक्षा मंत्री के साथ-साथ जनपद बुलंदशहर के जिला अधिकारी व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से अभिलंब इस आदेश को वापस करने की मांग की वापस न होने पर जिला कोऑर्डिनेटर ज्ञानेंद्र सिंह राघव व प्रज्ञा गौड़ ने आंदोलन की चेतावनी दी।

बंद खातो मे अपने मोबाइल नम्बर लगाकर धोखाधड़ी कर ठगी करने वाले 04 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 06 मोबाइल बरामद

वादी असलम निवासी देवीपुरा प्रथम शास्त्री पार्क थाना कोतवाली नगर जनपद बुलन्दशहर ने थाना साइबर क्राइम पर तहरीर दी कि वह वर्ष-2022 में चारपाई/फोल्डिंग बनाने का कार्य करता था तथा व्यवसाय के संचालन हेतु बंधन बैंक में उसने एक खाता खुलावाया था उसके बाद उसका काम बंद हो गया था तथा उसने दिनांक 31.12.2022 के बाद उसने बैंक खाते में कोई लेन देने नही किया था जिससे उसका बैंक खाता बंद हो गया था। दिनांक 21.04.2025 को कुछ अज्ञात व्यक्ति उनके घर पर आये कि तुम्हारे बैंक खाते से अवैध लेने देन किया गया है। इसके बाद उसने बैंक जाकर जानकारी की तो पाया कि उसके बैंक खाते में कोई अन्य मोबाइल नम्बर लगा हुआ है और उससे लेन देन किया गया है। इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना साइबर क्राइम पर

मुअसं-15/25 धारा 318(4) बीएनएस व 66C,66D आईटी एक्ट पंजीकृत किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक अपराध के नेतृत्व में थाना साइबर क्राइम पुलिस द्वारा की गयी जाँच/छानबीन व तकनीकि साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तगण बलराम उर्फ बल्ले , अंकित शर्मा, जीतू उर्फ जितेन्द्र, शुभम कौशिक, नवल सैनी, डेविट गौतम व अनुज्ञय प्रताप सिंह, योगश गोस्वामी का नाम प्रकाश में आया। आज दिनांक 26.06.2025 को थाना साइबर क्राइम पुलिस टीम द्वारा प्रकाश मे आये अभियुक्तगण में 04 अभियुक्त नवल सैनी,अंकित सैनी, योगेश सैनी व डेविड गौतम उर्फ डेविट गौतम को गिरफ्तार किया व उनके कब्जे से 06 मोबाइल फोन बरामद हुए।

अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में साइबर क्राइम थाने पर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा हैं। उल्लेखनीय है कि घटना मे संलिप्त 04 अभियुक्तों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।